दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 20 जुलाई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 292

महत्वपूर्ण एवं खास

भीलवाड़ा में रोडवेज स्टेशन में करंट लगने से दो व्यक्तियों की मौत

भीलवाड़ा (आरएनएस)। राजस्थान के भीलवाडा रोडवेज बस स्टैंड परिसर में करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोडवेज बस स्टैंड परिसर में एटीएम गन्ने की चरखी लगी हुई उसी के पास जोधपुर क्षेत्र का रहने वाला बाबूलाल मीणा और एक मुस्लिम युवक सोया हुआ था बरसात के चलते रात्रि के समय किसी समय करंट लगने से दोनों की मौत हो गई। पुलिस की माने तो बाबूलाल एटीएम में सोता है जबकि दूसरा व्यक्ति वहां पर पराठा का ठेला लगाता है। अभी यह साफ नहीं हो पाया की करंट गन्ने की चरखी से फैला या किसी और कारण पुलिस मामले की जांच कर रही है। दोनों मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गए हैं।

एक ही परिवार के चार लोगों की गला काटकर हत्या, पेट्रोल डालकर शव भी जलाए

जोधपुर (आरएनएस)। राजस्थान के जोधपुर जिले के ओसियां में एक बड़ी वारदात सामने आई है। यहां एक ही परिवार के चार लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। चारों शव जली अवस्था में एक झोपड़ी में से पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार ओसियां थाना क्षेत्र के रामनगर ग्राम पंचायत गंगाणीयो कि ढाणी में रात में झोपड़ी में सो रहे एक पुरुष, दो महिलाएं सहित एक बच्ची की गला काट कर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद झोपड़ी को तेल डालकर जला दिया गया। इस हत्याकांड ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। चार लोगों की हत्या की सूचना के बाद इलाके में दहशत का माहौल पैदा हो गया। बुधवार सुबह घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। मृतकों में परिवार के मुखिया पूनाराम बैरड़ (55), उनकी पत्नी भंवरीदेवी (50), पुत्रवधु धापू (24) और सात महीने की बच्ची शामिल है। सामूहिक हत्याकांड की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्रसिंह यादव समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्नरु, डॉग स्क्वायड के साथ ष्ठस्ज्ज भी जांच कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में मौसम विभाग ने जारी की बाढ़ की चेतावनी

श्रीनगर (आरएनएस)। पिछले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर में आसमान में बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने बुधवार को अगले दो दिनों के लिए बाढ़ के खतरे की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के एक बयान में कहा गया है, वर्तमान में, जम्मू क्षेत्र के अधिकांश स्थानों और घाटी के अनंतनाग, कुलगाम क्षेत्र में बारिश हो रही है। जम्मू क्षेत्र के रियासी जिले के कटरा में 24 घंटों में 315.4 मिमी बारिश हुई। यह 1980 के बाद से सबसे अधिक है। इससे पहले 31 जुलाई 2019 को यह 292.4 मिमी बारिश हुई थी। जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों में अगले 3-4 घंटों तक बारिश जारी रहने और उसके बाद कम होने की संभावना है। 20-22 जुलाई को जम्मू क्षेत्र के कई स्थानों पर और कश्मीर क्षेत्र के छिटपुट स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी। इस सप्ताह के दौरान जम्मू क्षेत्र के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश संभव है। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और नदियों, व अन्य संवेदनशील स्थानों से दूर रहने की सलाह दी है।

दिल्ली में यमुना फिर खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली (आरएनएस)। यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान को पार कर 205.35 मीटर तक पहुंच गया है। बुधवार सुबह सात बजे यह खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया। एक घंटे बाद जलस्तर 205.48 मीटर पर पहुंच गया। खतरे का स्तर 205.33 मीटर है। यह खतरे के स्तर से 15 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। अधिकारी पहाड़ी इलाकों में मौजूदा बारिश के कारण मात्रा में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं। मंगलवार रात आठ बजे यह 205.3 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से थोड़ा नीचे था। हालांकि, पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण यह फिर बढ़ गई और खतरे के निशान को पार कर गई। यमुना नदी ने 45 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया और 13 जुलाई को अपने उच्चतम स्तर 208.65 मीटर पर पहुंच गई। दिल्ली में बाढ़ के परिणामस्वरूप, कई निचले इलाके जलमग्न हो गए, और सडक़ों पर पानी भर गया।

अलकनंदा नदी के तट पर नमामि गंगे प्रोजेक्ट के निर्माणाधीन सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में बड़ा हादसा, 15 की मौत

चमोली (आरएनएस)। उत्तराखंड के चमोली में आज सुबह एक बड़ा हादसा हुआ है. अलकनंदा नदी के तट पर नमामि गंगे प्रोजेक्ट के निर्माणाधीन सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में बड़े हादसे की खबर है. यहां करंट लगने से फौरी तौर पर 15 लोगों की मौत की सूचना है. वहीं, कई लोगों के झुलसने की सूचना है। घायलों को पीपलकोटी अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस और रेस्क्यू टीमें मौके पर मौजूद हैं। सीएम धामी ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, चमोली में नमामि गंगे प्रोजेक्ट की साइट पर काम चल रहा है। बुधवार को जिस समय हादसा हुआ, उस वक्त साइट पर 24 लोग मौजूद थे, झुलसे से करीब दस लोगों की मौत हुई है।

वहीं, झुलसे हुए कई लोगों को जिला अस्पताल ले जाया जा रहा है। डीएसपी प्रमोद शाह ने बताया कि कुछ झुलसे हुए लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया है। उनके चिकित्सीय परीक्षण के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

मीटर के तारों से फैला करंट- चमोली के ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना ने आरएनएस संवाददाता को बताया कि बीती रात को बिजली का तीसरा फेस डाउन हो गया था। बुधवार को सुबह तीसरे फेज को जोड़ा गया, जिसके बाद सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में करंट दौड़ गया। ट्रांसफार्मर से लेकर मीटर तक कहीं एलटी और एसटी के तार नहीं टूटे हैं, मीटर के बाद तारों में करंट दौड़ा है।

चमोली जिले के प्रभारी मंत्री धन सिंह रावत ने समाचार एजेंसी आरएनएस से बात करते हुए कहा कि 15 लोगों की मौत हुई है। रेस्क्यू के लिए हेलीकॉप्टर भिजवाए गए हैं. वो भी कुछ देर में मौके पर पहुंच रहे हैं. वहीं, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने बताया कि वो भी घटना की ज्यादा जानकारी ले रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी घटनास्थल पर पहुंच सकते हैं और शाम तक मुआवजे का ऐलान हो सकता है।

चमोली के अलकनंदा नदी के तट पर बने नमामि गंगे के प्रोजेक्ट साइड पर एक ट्रांसफॉर्मर फट गया. हादसा इतना भयंकर था कि कई लोगों के करंट की चपेट में आने की खबर सामने आ रही है. यह हादसा चमोली के सीवर ट्रीटमेंट स्टेशन में हुआ है. बताया जा रहा है कि पहले एक व्यक्ति करंट की चपेट में आया था, उसे बचाने गए लोग भी करंट की चपेट में आ गए.

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में लगातार बारिश के कारण ढहे मकान, पांच लोगों की मौत

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बुधवार को लगातार बारिश के कारण मकान ढहने से पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ जिले के बानी इलाके में भारी बारिश के कारण दो मकान ढह गए। इन दोनों घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा, भारी बारिश के कारण बानी के सुरजन मोरहा अरुआड ब्लॉक में मुश्ताक अहमद और अब्दुल कयूम के घर ढह गए।

इन मकानों के मलबे में बच्चों समेत पांच लोग दब गए। शवों को निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। एसडीएम सतीश कुमार ने कहा कि अन्य क्षेत्रों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन की खबरें हैं और बचाव दल तैनात किए गए हैं। उन्होंने मृतकों के लिए 50,000 रुपये और घायलों के लिए 25,000 रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। इस बीच, जम्मू के विभिन्न हिस्सों में हुई बारिश से सडक़ें क्षतिग्रस्त हो गईं और तवी, चिनाब, बसंतर, देवक तथा उझ सहित सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अधिकारियों ने भारी बारिश के कारण जल निकायों में बाढ़ के कारण कठुआ, डोडा, राजौरी और किश्तवाड़ जिलों में सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। वैष्णो देवी यात्रा और अमरनाथ यात्रा पर तीर्थयात्रियों का मार्ग भी निलंबित कर दिया गया।

अधिकारियों ने कहा कि खराब मौसम की स्थिति के कारण माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए नया मार्ग बंद कर दिया गया है। वहीं रियासी जिले में हेलीकॉप्टर सेवा भी निलंबित कर दी गई है, जबकि किश्तवाड़, डोडा, राजौरी और कठुआ के ऊपरी इलाकों में भी खराब मौसम को देखते हुए स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

दर्दनाक हादसा : निर्माणाधीन मकान का लेंटर गिरा, दंपती और दो बेटों की मौत, 11 लोग घायल

बुलंदशहर (आरएनएस)। नरसेना थाना क्षेत्र मवई में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां एक निर्माणाधीन मकान का लिंटर गिर गया है, जिससे एक ही परिवार के छह बच्चों समेत 15 लोग मलबे में दब गए। इस हादसे में दंपती और उनके दो बेटों की मौत हो गई, जबकि 11 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डीएम ने मरने वाले लोगों के परिजनों को चार- चार लाख रुपये की आर्थिक मदद करने और मकान की मरम्मत करने की बात कहीं है।

जानकारी के अनुसार नरसेना थाना क्षेत्र के गांव मवई निवासी राजपाल पुत्र हरचरण सिंह का मकान बन रहा था। मकान की पहली मंजिल पर पुराना लेंटर डाला हुआ था और दूसरी मंजिल का निर्माण किया जा रहा था। मंगलवार शाम को दूसरी मंजिल के तीन कमरों के ऊपर लेंटर डाला गया था। देर रात लेंटर डालने के बाद परिवार के 15 लोग मकान के

ग्राउंड फ्लोर पर चारपाई डालकर सो गए। बुधवार सुबह करीब तीन बजे दूसरी मंजिल पर डाला गया लेंटर पहली मंजिल की छत पर गिर गया। जिससे पहली मंजिल का लेंटर भी गिर गया और सो रहा परिवार मलबे के नीचे दब गया।

हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम अरविंद कुमार सिंह, सीओ भास्कर कुमार मिश्रा और आसपास के इलाके की रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची और परिवार के सभी लोगों को बाहर निकाला। मलबे में दबने से राजपाल और उसकी पत्नी सुनीता, पुत्र धर्मेंद्र व कुलदीप की मौत हो गई।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा : आईजीपी की कार फूंकी गई, आरएएफ से झड़प में 19 महिलाएं घायल

इंफाल (आरएनएस)। इंफाल पश्चिम के चकीथेल इलाके में मंगलवार को एक भीड़ ने एक आईपीएस अधिकारी के वाहन को आग लगा दी, जबकि एक अन्य घटना में, उसी जिले में रैपिड एक्शन फोर्स के साथ झड़प के दौरान कम से कम 19 महिलाएं घायल हो गईं।

भीड़ ने पुलिस महानिरीक्षक-जोन ढ़ढढ़ढ़, के. कबीब के वाहन में आग लगा दी, जब वह अपनी एस्कॉर्ट टीम के साथ टिडिम रोड पर इंफाल की ओर जा रहे थे। घटना के दौरान, एक पुलिस कर्मी जलते हुए वाहन के अंदर से निकली गोली से घायल हो गया, जो उसके पैर में लगी।

हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सुरक्षित रहे।

सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और बाद में 30 हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी घटना में, राज्य में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली की मांग को लेकर धरने में भाग लेने के बाद महिलाओं और आरएएफ कर्मियों के बीच झड़प हो गई।

राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए, उन परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले नौ व्यक्ति भी धरने में शामिल हुए, जिनके सदस्य पहले खमेनलोक घटना में मारे गए थे। प्रदर्शनकारियों ने जब सिंगजामेई बाजार से बाबूपारा स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर बढऩे की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

इस बीच, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की. सीएम सचिवालय में आयोजित बैठक में मणिपुर सरकार के मुख्य सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मुख्य सचिव विनीत जोशी, पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बाद में ट्वीट किया, राज्य सरकार राज्य में सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय कर रही है। हालांकि, पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों के दौरान गोलीबारी, आगजनी और अनियंत्रित भीड़ की छिटपुट घटनाओं के कारण कुछ स्थानों पर स्थिति तनावपूर्ण है।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम : बेंगलुरु में 5 संदिग्ध गिरफ्तार, गोला-बारूद भी बरामद

बेंगलुरु (आरएनएस)। बेंगलुरु में क्राइम ब्रांच ने पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने देशद्रोही गतिविधियों में लिप्त संदिग्धों की गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों के नाम जुनैद, सोहेल, उमर, मुदासिर और जाहिद है। इनके पास से विस्फोटक सामग्री, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री भी बरामद की गई है। सीसीबी पांच अन्य संदिग्धों की भी खोज में लगी है।

पुलिस का कहना है कि ये पांचों संदिग्ध 2017 के एक हत्याकांड मे भी शामिल थे। उन्हें बेंगलुरु सेंट्रल जेल भेजा गया था जहां वे किछ आतंकियों के संपर्क में आ गए। इसके बाद आतंकियों ने उन्हें हथियार बनाने और चलाने की ट्रेनिंग भी दी थी। सीसीबी संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। ये पाचों संदिग्ध बेंगलुरु के अलग-अलग इलाकों

में रहते थे। जांच एजेंसी को संदेह है कि ये पांचों मिलकर बेंगलुरु में धमाका करने की योजना बना रहे थे।

जानकारी के मुताबिक ये पांचों ही बेंगलुरु के रहने वाले हैं। वे लगातार आतंकियों के संपर्क में थे और उन्हें आतंकियों से जानकारियां मिलती रहती थीं। जेल से रिहा होने के बाद से ही वे आतंकी गतिविधियों की योजना बनाने में लगे थे। सीसीबी को सबूत मिले हैं कि वे विस्फोटक सामग्री बनाते थे। अधिकारियों

जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में एनकाउंटर, घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादी ढेर

कुपवाड़ा (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने बुधवार को घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक ट्वीट कर कहा, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा शुरू किए गए संयुक्त अभियान के तहत सतर्क सुरक्षा बलों ने बुधवार को सुबह कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना ने बताया कि दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। गोलीबारी वाले स्थान पर हथियरों के भंडार का भंडाफोड़ कर वहां से चार एके राइफल, छह हथगोले एवं अन्य सामग्री बरामद की गई। सेना ने बताया कि अभियान अब भी जारी है। इससे पूर्व पुंछ में सेना और पुलिस की संयुक्त टीमों ने पुंछ के सुरनकोट इलाके के शींदरा टॉप में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात चार आतंकियों को मुठभेड़ में मार गिराया। वहीं सोमवार को चक्का दा बाग इलाके में दो आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। आतंकियों से बड़ी मात्रा में चीन और पाकिस्तान में बने हथियार व अन्य सामान बरामद हुआ।

का कहना है कि हो सकता है उन्हें सीमा पार से हथियार मिले हों। राजस्थान या फिर गुजरात की सीमा से हथियारों की सप्लाई संभव है। अधिकारियों का यह भी कहा है कि यह आईएसआईएस का टेरर मॉड्यूल हो सकता है।

ट्रेन के जनरल डिब्बे में सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर, अब 20 रूपए में मिलेगा खाना

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में चुनावी मौसम शुरू होते ही भारतीय रेलवे को गरीबों की याद आने लगी है और इसी क्रम में अब जनरल डिब्बे में यात्रा करने वालों के लिए मात्र 20 रुपये में पूड़ी-सब्ज़ी उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने गरीब यात्रियों के लिए 20 रुपये में सात पूडिय़ां (175 ग्राम), आलू की सब्ज़ी (150 ग्राम) और अचार (12 ग्राम) की इकानोमी मील शुरू की है। इसके अलावा 50 रुपये में स्नैक्स मील का मैन्यू भी शुरू किया गया है इस करीब 350 ग्राम के इस मील में चावल और छोले/राजमा, खिचड़ी, छोले एवं कुलचे/भटूरे, पावभाजी, मसाला डोसा शामिल है। आरंभ में यह सेवा 64 स्टेशनों पर शुरू की गई है। अभी 54 में सेवा शुरू हो चुकी है और बाकी में शुरू की जा रही है। इस में हर प्लेटफॉर्म पर आगे और पीछे जनरल कोच के सामने इस भोजन के स्टाल लगाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पहले जनरल कोच में यात्रा करने वाले लोगों के लिए 10 रुपये में पांच पूड़ी, आलू की सब्ज़ी और अचार मिला करता था। कोविड काल में यह व्यवस्था गड़बड़ा गई थी।

पहलवान बनाम बृज भूषण : चार्जशीट से यौन उत्पीड़न के सूक्ष्म विवरणों का खुलासा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ अपनी चार्जशीट में दावा किया है कि चाहे भारत हो या विदेश, शक्तिशाली राजनेता ने कई मौकों पर महिला पहलवानों का यौन उत्पीडऩ किया।

चार्जशीट में 2016 में मंगोलिया के एक होटल के भोजन क्षेत्र में हुई अनुचित यौन संपर्क की एक विशिष्ट घटना पर प्रकाश डाला गया है। दो गवाहों ने पीड़िता के बयान का समर्थन करते हुए पुष्टि की कि उन्होंने सिंह द्वारा किए गए कथित कृत्य को देखा था। आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 164 के तहत। इस प्रकार आरोप पत्र में दावा किया गया है कि सिंह ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 के तहत अपराध किया है, जो किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल से संबंधित है।

पीड़िता, जिसे आरोपपत्र में ग्रेपलर (1) कहा गया है, का आरोप है कि सिंह ने उसे सात अलग-अलग मौकों पर परेशान किया। इसमें पांच अवसरों पर शारीरिक यौन उत्पीडऩ और एक अवसर पर यौन उत्पीडऩ के मामले शामिल हैं।

आरोपपत्र में इन आरोपों को 6-7 वर्षों की अवधि में उत्पीडऩ का एक निरंतर पैटर्न माना गया है, जो सीआरपीसी की धारा 164 के तहत पीड़िता के बयान से समर्थित है। इसमें आगे दावा किया गया है कि यह व्यवहार पीछा करना है, जो आईपीसी की धारा 354डी के तहत अपराध बनता है।

इसके अतिरिक्त, आरोप पत्र लखनऊ में एसएआई केंद्र में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में एक समूह तस्वीर के दौरान अभद्र यौन संपर्क की घटना के संबंध में ग्रेपलर (2) द्वारा लगाए गए आरोपों को भी संबोधित करता है। गवाह ने पीड़िता के बयान की पुष्टि की, जिससे आरोप पत्र में आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध घोषित किया गया।

इसी तरह, आरोप पत्र सोफिया, बुल्गारिया में अनुचित यौन संपर्क की एक घटना के संबंध में ग्रेपलर (3) द्वारा लगाए गए आरोपों का समर्थन करता है। पीड़िता के बयान और तस्वीरों जैसे तकनीकी सबूतों के साथ गवाह मामले को और मजबूत करते हैं। नतीजतन, आरोप पत्र में आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध स्थापित किया गया है।

डब्ल्यूएफआई कार्यालय की घटना के संबंध में, जहां आरोपी ने कथित तौर पर यौन संबंधों की मांग करके पीड़िता के खिलाफ यौन संबंध बनाए, आरोप पत्र पीड़िता की गवाही को सबूत मानता है। इस घटना को निजी माना जाता है और इसकी पुष्टि एक गवाह द्वारा की जाती है जिसने पीड़िता को घटना के बारे में बताते हुए सुना था। परिणामस्वरूप, आईपीसी की धारा 354ए के तहत अपराध, जो यौन रूप से रंगीन टिप्पणी करने से संबंधित है, आरोप पत्र में स्थापित किया गया है।

आरोपपत्र बिश्केक, किर्गिस्तान में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के दौरान मछुआरे (4) द्वारा लगाए गए आरोपों को भी संबोधित करता है। अन्य गवाहों का उल्लेख किए बिना एकांत में घटित होने की रिपोर्ट को एक निजी घटना के रूप में माना जाता है। आरोपपत्र में कहा गया है कि पीड़िता की गवाही, दो व्यक्तियों द्वारा समर्थित, जिन्होंने पीड़िता को अपनी आपबीती सुनाते हुए सुना, आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध की स्थापना की ओर ले जाती है।

इसके अलावा, आरोप पत्र कजाकिस्तान में एक घटना के संबंध में ग्रेपलर (5) द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि करता है जहां आरोपी ने 2012 में पीड़ित को जबरन गले लगाया।

अंत में, आरोप त्र में 2021 में बेल्लारी, कर्नाटक में अनुचित यौन संपर्क और यौन प्रगति की एक घटना के संबंध में ग्रैपलर (6) द्वारा लगाए गए आरोपों का उल्लेख है। सीआरपीसी की धारा 164 के तहत पीड़िता का बयान इन आरोपों का समर्थन करता है, जिसके कारण अपराध होता है।